COVID-19 परिदृश्य का दिशानिर्देश करना

JN.1 वैरिएंट

ओमिक्रॉन वैरिएंट से उत्पन्न, JN.1 SARS-CoV-2 वैरिएंट विश्व स्तर पर सामने आया, जिसने सितंबर २०२२ में भारत में शुरुआत की। दिसंबर २०२३ तक तेजी से आगे बढ़ते हुए, JN.1 ने खुद को भारत और दुनिया भर में प्रचलित COVID-19 स्ट्रेन के रूप में स्थापित किया।

प्रमुख उत्परिवर्तन

- स्पाइक प्रोटीन में परिवर्तन जिससे वायरस के लिए कोशिकाओं से जुड़ना आसान हो जाता है।
- ऐसे अनुकूलन जो वायरस को टीकों और पूर्व संक्रमणों से प्राप्त एंटीबॉडी को मात देने की क्षमता देते हैं।

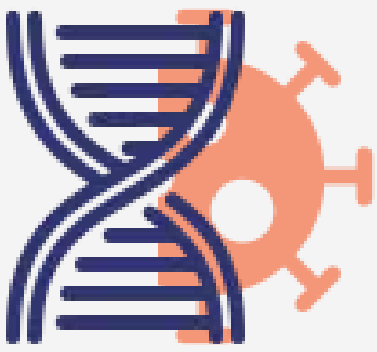

लक्षण

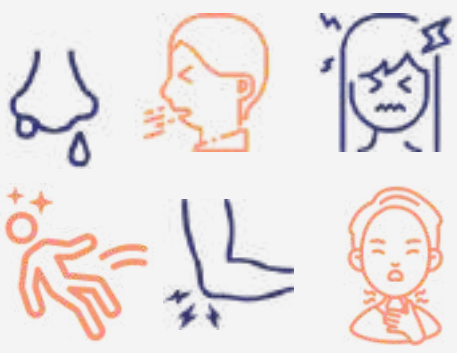

इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) के लक्षण जिनमें नाक बहना, खांसी, सिरदर्द, कमजोरी, मांसपेशियों में दर्द, गले में खराश, नींद न आना शामिल हैं।
यह लक्षण लगभग ४-५ दिनों तक रहते हैं।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशानिर्देश

- COVID के लिए टीका और बूस्टर लेना ।
- सार्वजनिक इनडोर सेटिंग में मास्क पहनना।
- सामाजिक दूरी का पालन करना।
- अपने हाथ बार-बार धोना।

सतर्कता और निगरानी

इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) और गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (एसएआरआई) और संबंधित लक्षणों वाले मरीजों पर नजर रखें।

शीघ्र निदान के लिए ऐसे रोगियों को परीक्षण, विशेष रूप से आरटी-पीसीआर परीक्षण और त्वरित जीनोम अनुक्रमण का सुझाव दें।

रिपोर्ट किए गए मामलों में वृद्धि के बावजूद, अधिकांश में हल्के लक्षण दिखाई देते हैं, जिससे अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। गंभीर मामले मुख्य रूप से वृद्ध व्यक्तियों और सह-रुग्णता वाले लोगों को प्रभावित करते हैं। विशेषज्ञ एकमत से कहते हैं कि JN.1 वैरिएंट को बूस्टर खुराक की आवश्यकता नहीं है

कार्यवाही

फार्मासिस्ट मरीजों के लिए संपर्क का पहला बिंदु हो सकते हैं। जब वे दिए गए लक्षणों को प्रदर्शित करने वाले रोगियों के सामने आते हैं, तो वे उन मरीजों को डॉक्टरों या परीक्षण सुविधाओं से आगे की चिकित्सा सहायता लेने की सलाह दे सकते हैं।

निष्कर्षत: JN.1 वैरिएंट चुनौतियाँ पेश करता है, लेकिन निवारक उपायों का रणनीतिक पालन और सार्वजनिक जागरूकता इसके प्रसार के खिलाफ लड़ाई में शक्तिशाली उपकरण बने हुए हैं।

सूचित रहें, सतर्क रहें।

संदर्भ• MoHFW website: https://mohfw.gov.in/

The information provided by MSPC's Drug Information Centre is for consultation purposes only. It is not a substitute for personalized medical or legal advice. Any treatments or procedures mentioned are informational resources for healthcare professionals and should be considered in light of specific circumstances and medical guidelines. Use this information is at your discretion. While every effort is made to ensure accuracy, Maharashtra State Pharmacy Council's Drug information Centre is not responsible for any recommendations or errors. The center is not liable for any damages resulting from the use of this information. In case of any discrepancy across newsletter documents, english version will be given due preference.